REET 2025
LEVEL-1&2
वंदन बैच
SST PEDAGOGY
CLASS - 3
LIVE
19-02-2025 07:00 PM

सामाजिक विज्ञान का अन्य विषयों के साथ संबंध

- → भाषा साहित्य
- → कार्य अनुभव → शिल्प कार्य
- → विज्ञान
- → गणित — मूल्य / बजट | धन | व्यय
- → कला एवं सौन्दर्य - ताजमहल / लाल किला -

सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य

- राजनीतिक सामाजिक value का विकास
  - vote देना
  - Blood देना
- बच्चे को पूर्व व वर्तमान के सामाजिक वातावरण से जोड़ना → history, महंगाई, teach.
- भारत की समृद्ध संस्कृति से परिचय – आयुर्वेद, वेद
- → विचार व्यक्त करना [सामाजिक दक्षता विकसित करना]
- → समृद्ध व्यक्तित्व का
- → सामाजिक समस्याओं का समाधान
- → राष्ट्रीय प्रेम → संविधान दिवस, चीन का समान
- → अन्तर्राष्ट्रीय समझ

बिन्दु	सामाजिक अध्ययन	सामाजिक विज्ञान
विषय वस्तु या बौद्धिक स्तर	निम्न	उच्च ✓
क्षेत्र	संकुचित	विस्तृत
शिक्षण विधि अनुसंधान प्रयोग	सरलतम	उच्चतर तथा विद्वतापूर्ण
कक्षा	छोटी कक्षा	व्यस्को | Haughts
प्रकृति	व्यवहारिक	विद्वता तथा सामाजिक उपयोगिता
ज्ञान	समन्वित	पृथक विषय

विषय	सरल स्पष्ट बोधगम्य + साधारण ज्ञान	गंभीर गठन एवं गूढ़ ज्ञान
विधि	प्रस्तुतिकरण + उदाहरण	व्याख्यान विधि
प्रयोग	सामाजिक उपयोगिता	शैक्षणिक उपयोगिता
समाज	कुछ Aspect को touch	सभी Aspect को touch

छोटी class → SST
college → सामाजिक विज्ञान

आप मुझे प्रशिक्षित कर सकते हैं, आप मुझे विकसित नहीं कर सकते
मैं विकसित होता हूँ।

शिक्षकों का वृत्तिक विकास

- साधन → इन्टरनेट ⇒ सामुदायिक संसाधनों का उपयोग
- → सहकर्मियों के साथ औपचारिक एवं अनौपचारिक चर्चा
- → क्षेत्र कार्य → film एवं Documentary देखना

भूगोल → प्राकृतिक वातावरण के साथ मानवीय संबंधों का अध्ययन करना है।

इतिहास → परिवर्तन और निरन्तरता की यात्रा का पता लगाता है। मानव जीवन के अतित से लेकर वर्तमान तक में प्रमुख घटनाएँ घटी हैं, जिन्होंने समाज व संस्कृति को प्रभावित किया है।

अर्थशास्त्र → आर्थिक गतिविधियां, सामाजिक एवं व्यवहारिक पर उनके प्रभाव का विश्लेषण करती है।

polity → मनुष्य के सामाजिक-राजनीतिक अस्तित्व से संबंधित है।

सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उपागम

- विषयी

- अंतर्विषयी

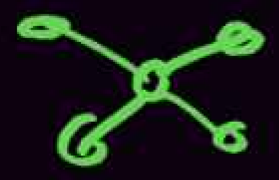

- बहुविषयी

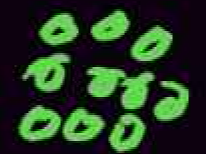

NCF - 2005

सामाजिक विज्ञान पढ़ाने के उद्देश्य

① एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष समाज में नागरिकों के अधिकार और जिम्मेदारियों को समझे

② प्राकृतिक और सामाजिक पर्यावरण उनकी संस्थाओं पर बल देते हुए समस्त समझ विकसित करना

③ सामाजिक और आर्थिक मुद्दों, बाल श्रम, आर्थिक अभाव और निरक्षरता जैसी चुनौतियों का आलोचनात्मक परीक्षण

(4) संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति में राज्य की भूमिकाओं और जिम्मेदारी को समझे

(5) विश्व अर्थव्यवस्था और राजनीति के संबंध में भारत में परिवर्तन और विकास की प्रक्रियाओं को समझना।